आप के पास ऐसे खिलाड़ी होने चाहिए जो एक से एक को रोक सके, ऐसे खिलाड़ी जो 'डिफेंस' को भेद सके, जो जोखिम उठा सके।

- जुर्गेन क्लिंसमैन

जर्मनी के पूर्व फुटबॉल कप्तान, विश्व कप फुटबॉल में खिलाड़ियों को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नेमार

ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार ने अपनी टीम के समर्थन के लिए भारतीय फैन्स का आभार जताया है। उन्होंने खास तौर पर केरल के फैन्स को समर्थन के लिए धन्यवाद कहा है। फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की टीम क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया के हाथों हारकर बाहर हो गई थी। ब्राजील को विश्व कप जीतने का फेवरेट माना जा रहा था। दरअसल, विश्व कप के दौरान केरल में प्रशंसकों का अपनी पसंदीदा टीमों के लिए समर्थन व्यक्त करने के लिए सजावट के साथ सड़कों पर उतरना एक आम दृश्य है, लेकिन इस बार उनके द्वारा की गई तैयारियों को दुनियाभर में सराहा गया।

क्या आप जानते हैं ?... रूस की टेनिस खिलाड़ी दिनाश सकीना दो बार के ग्रैंड स्लेम विजेता मरात सकिन की छोटी बहन है।

विश्व कप फुटबॉल का खिताबी मुकाबला फ्रांस और अर्जेंटीना में आज

मेस्सी की महानतम खिलड़ियों की फेहरिस्त में शामिल होने की राह में एमबापे बाधा

दोहा, 17 दिसंबर। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेस्सी के लिये अब नहीं तो कभी नहीं। रविवार को यहां होने वाले फीफा विश्व कप फाइनल में जब अर्जेंटीना की टीम फ्रांस के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो यह भी तय हो जायेगा कि मेस्सी आखिरकार खेल के महानतम खिलाड़ियों की फेहरिस्त में पेले और डिएगो माराडोना की जमात में शामिल हो पायेंगे या नहीं।

कईयों के लिये मेस्सी का करियर इससे भी परिभाषित होगा कि 35 साल की उम्र में आखिरकार वह अपनी टीम को फुटबॉल के इस महासमर की ट्राफी दिला पायेंगे या नहीं जो उनके करियर में चार चांद लगा देगी।

पर उनकी रास्ते में कोई कमजोर नहीं बल्कि गत चैम्पियन फ्रांस की टीम और उसका स्टार फुटबॉलर किलियान एमबापे खड़ा है। एमबापे फुटबॉल के महान खिलाड़ियों के तौर पर मेस्सी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर बढ़त बनाने के लिये बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

एमबापे 80,000 दर्शकों की क्षमता वाले लुसैल स्टेडियम में होने वाले मैच में इतिहास रचने की ओर बढ़ रहे हैं। फ्रांस का यह 23 साल का फॉरवर्ड अपने पहले ही दो विश्व कप में चैम्पियन बनकर पेले का अनुकरण करने करना चाहता है और तीसरे खिताब की संभावना भी बनाना चाहता है और यह उपलब्धि केवल ब्राजील के इस महान खिलाड़ी के नाम ही है जिन्हें 2022 टूर्नामेंट के दौरान अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एमबापे जब 19 वर्ष थे तो उन्होंने फ्रांस को 2018 में दूसरा विश्व कप खिताब दिलाया था और 1958 में 17 वर्षीय पेले के बाद फाइनल में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। पेले ब्राजील की 1962 विश्व कप जीत में चोट के कारण नॉकआउट चरण में नहीं खेले थे लेकिन एमबापे इस टूर्नामेंट में शुरू से ही फ्रांस के लिये अहम खिलाड़ी बने रहे।

बल्कि वह पांच गोल करके मेस्सी के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी की बराबरी पर हैं। 'गोल्डन बूट' का पुरस्कार कौन जीतता है तो यह फाइनल ही तय करेगा।

वहीं दूसरी ओर फ्रांस की टीम खड़ी है जो ब्राजील (1962 में) के बाद लगातार विश्व कप ट्राफी जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश में जुटी है। माइकल प्लातिनी, जिनेदिन जिदान, थिएरी ऑनरी और अब एमबापे जैसे खिलाड़ी देने वाली टीम पिछले सात विश्व कप में चौथी बार फाइनल में पहुंची है जो किसी अन्य टीम से कहीं ज्यादा है।

कोच डिडिएर डेसचैम्पस 1998 में बतौर खिलाड़ी विश्व कप विजेता रहे थे और अब बतौर कोच टीम को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने की मुहिम

में जुटे हैं। विटोरियो पोज्जो एकमात्र अन्य कोच थे जिन्होंने लगातार दो बार चैम्पियन बनी इटली को 1934 और 1938 में खिताब दिलाये थे।

फ्रांस की तरह अर्जेंटीना भी (1978 और 1986 के बाद) तीसरा विश्व कप खिताब जीतने की कोशिश में जुटी है ताकि वह सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर पहुंच जाये। अगर ऐसा होगा तो माराडोना के मेक्सिको में 1986 प्रदर्शन के बाद टीम का 36 साल का इंतजार खत्म हो जायेगा।

उस जीत ने माराडोना को अर्जेंटीना में हमेशा के लिये 'हीरो' और फुटबॉल की दुनिया का 'आइकॉन' बना दिया था। मेस्सी अब उस स्तर की बराबरी पर दिखते हैं, रविवार को अपने रिकॉर्ड 26वें विश्व कप मैच में भले ही वह जीते या हारें।

मेस्सी ने जिस तरह से अर्जेंटीना को फाइनल में पहुंचाया, उससे उनकी तुलना माराडोना से की जा रही है। मेस्सी ने पांच गोल करने के अलावा तीन गोल करने में मदद कर अपनी टीम के प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया जो कतर में पूरे विश्व कप के दौरान मैचों में बहुतायत में नजर आये। जिसे देखते हुए ऐसा लगता है कि यह मैच अर्जेंटीना के लिये घरेलू मैच की तरह होगा लेकिन फ्रांस के समर्थकों की संख्या भी कम नहीं होगी। पर विजेता चुनना मुश्किल है।

फ्रांस की टीम में अपार अनुभव है और अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद जीत दर्ज करने की काबिलियत है। डेसचैम्पस ने टूर्नामेंट से पहले पॉल पोग्बा, एनगोलो कांटे, प्रेसेनल किम्पेम्बे और करीब बेंजेमा जैसे अहम खिलाड़ियों के बाहर होने के बावजूद फ्रांस के प्रदर्शन का स्तर ऊंचा बनाये रखा। फ्रांस का डिफेंस काफी अच्छा है।

मार्सिनियाक होंगे विश्व कप फाइनल के रेफरी

दोहा, 17 दिसंबर। पोलैंड के ज़ीमॉन मार्सिनियक को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच रविवार को होने वाले फीफा विश्व कप फाइनल का रेफरी चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने कहा है कि मार्सिनियक के हमवतन पावेल सोकोलनिकी और तोमाज़ लिस्टकीविक्ज़ खिताबी मैच में असिस्टेंट रेफरी होंगे। फीफा ने शुक्रवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। चार साल पहले रूस में पदार्पण करने वाले मार्सिनियक इस टूर्नामेंट में पहले भी अर्जेंटीना और फ्रांस के मुकाबलों में रेफरी रह चुके हैं। पोलैंड के 41 वर्षीय रेफरी मार्सिनियक ने अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस बनाम डेनमार्क मैच में निर्णायक की भूमिका निभाई थी। उल्लेखनीय है कि असिस्टेंट रेफरी लिस्टकीविक्ज़ के पिता माइकल लिस्टकीविक्ज़ हैं, जिन्होंने विश्व कप 1990 के फाइनल में रेफरी की भूमिका निभाई थी।

विश्वकप फाइनल से पहले फ्रांस की टीम में फ्लू फैला

दोहा, 17 दिसंबर। अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा 2022 विश्व कप फाइनल से पहले फ्रांस की टीम में वायरस का प्रकोप जारी है। फॉरवर्ड खिलाड़ी रैडल कोलो मुआनी ने कहा यह जानकारी दी। टीम के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने पहले खुलासा किया था कि दो खिलाड़ी - डिफेंडर दयोट उपामेकानो और मिडफील्डर एड्रियन रैबियोट को फ्लू जैसे लक्षणों के कारण टीम से अलग होना पड़ा और वह मोरक्को के खिलाफ नहीं खेल पाये। फ्रांस ने इस सेमीफाइनल मैच को 2-0 से जीत लिया था। मुआनी ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, थोड़ा सा फ्लू है जो फैल रहा है लेकिन इसमे घातक कुछ नहीं है। इस पर इस फ्रैंकफर्ट खिलाड़ी को एक संचार प्रवक्ता ने जल्दी से रोक दिया और कहा, रैंडल एक डॉक्टर नहीं है, हम आपको बाद में समझाएंगे। डेसचैम्प्स ने स्वीकार किया है कि उनके खिलाड़ी काम के भारी बोझ और ठंडे मौसम से प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन वह इस बात पर कायम रहे कि प्रभावित खिलाड़ी लुसैल स्टेडियम में रविवार को होने वाले मैच से वंचित होने का खतरा नहीं है। हाल के दिनों में क़तर में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के शुरुआती दिनों में दैनिक अधिकतम तापमान की तुलना में काफी गिर गया है।

क्रोएशिया ने फीफा विश्व कप में हासिल किया तीसरा स्थान

अल रैयान, 17 दिसंबर। क्रोएशिया ने मिस्लाव ओर्सिच के निर्णायक गोल से शनिवार को फीफा विश्व कप 2022 के कांस्य पदक मैच में मोरक्को को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में जोस्को ग्वार्डिओल ने सातवें मिनट में गोल करके क्रोएशिया का खाता खोला, लेकिन मोरक्को ने नौवें मिनट में अशरफ दारी के गोल से मैच में वापसी कर ली। ओर्सिच ने 42वें मिनट में गोल जमाया जो क्रोएशिया की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

विश्व कप 2018 की उपविजेता क्रोएशिया ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट के इस संस्करण में तीसरा स्थान हासिल कर लिया, जबकि मोरक्को चौथे स्थान पर रहा। विश्व विजेता का फैसला रविवार को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच होने वाले खिताबी मैच से किया जायेगा।

लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचने का सपना टूटने के बाद क्रोएशिया ने यहां आक्रामक शुरुआत करते हुए बढ़त बना ली। जिसे इवान पेरिसिच ने सातवें मिनट में लोवरो मेजर की फ्रीकिक को हेडर मारकर ग्वार्डिओल तक पहुंचाया। क्रोएशिया के लिये मास्क पहनकर खेलने वाले ग्वार्डिओल ने बॉल को नेट में दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

क्रोएशिया की यह खुशी कुछ देर तक ही रही क्योंकि दो मिनट बाद मोरक्को को फ्रीकिक मिली। दारी ने फ्रीकिक पर हकीम ज़ियेश के क्रॉस को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मोरक्को ने इस गोल से मिले आत्मविश्वास से पहले हाफ में दो मौके और बनाये लेकिन अफ्रीकी टीम उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सकी।

क्रोएशिया को हाफ टाइम से पहले एक मौका मिला जिसका फायदा उठाते हुए यूरोपीय टीम ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली।

ओर्सिच ने मोरक्को के बॉक्स के मुहाने पर खड़े होकर बॉल को गोल की ओर मारा जो रक्षण को भेदती हुई नेट में पहुंच गयी।

पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मोरक्को दूसरे हाफ में क्रोएशिया पर कोई दबाव नहीं बना सकी। इंजरी टाइम में जियेश के क्रॉस से मोरक्को अपना दूसरा गोल करने के करीब आयी लेकिन गोल के करीब खड़े यूसुफ एन-नेसरी हेडर मारकर बॉल को नेट में नहीं पहुंचा सके।

उल्लेखनीय है कि मोरक्को फीफा विश्व कप के इतिहास में चौथा स्थान हासिल करने वाली पहली टीम है।

फाइनल में इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

दोहा, 17 दिसंबर। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच रविवार को यहां होने वाले विश्वकप फाइनल में एक तरफ जहां लियोनेल मेस्सी होंगे वहीं दूसरी तरफ उन्हें टक्कर देने के लिए काइलियन एमबापे होंगे। मेस्सी इससे पहले भी फाइनल में खेल चुके हैं लेकिन उनकी टीम 2014 में जर्मनी से हार गई थी। एमबापे के रहते हुए फ्रांस ने 2018 में क्रोएशिया को हराकर विश्वकप जीता था। इन दोनों सहित जिन अन्य खिलाड़ियों पर विश्वकप फाइनल में नजर टिकी रहेगी, उनकी जानकारी इस प्रकार है।

लियोनेल मेस्सी: पैंतीस वर्षीय मेस्सी अर्जेंटीना की टीम के दिल और आत्मा दोनों हैं। वह टूर्नामेंट में अब तक पांच गोल कर चुके हैं और इस मामले में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। जब भी गोल करने का मौका हो तब मेस्सी की फुर्ती देखने लायक होती है। विश्व कप का खिताब उन्हें डियागो माराडोना के समान 'आइकन' का दर्जा दिला देगा।

जुलियन एल्वारेज : एल्वारेज ने टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने अब तक चार गोल दागे हैं। मैनचेस्टर सिटी की तरफ से खेलने वाले इस 22 वर्षीय खिलाड़ी का तेज दौड़ लगाने में कोई सानी नहीं है। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम की 3-0 से जीत में मेस्सी के साथ शानदार जोड़ी बनाई थी।

एमिलियानो मार्टिनेज : अर्जेंटीना का यह गोलकीपर छह फुट चार इंच लंबा है। यदि फाइनल मैच पेनल्टी शूटआउट तक खिंचता है तो फिर मार्टिनेज की भूमिका अहम होगी। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल और पिछले साल कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नहुएल मोलिना: मोलिना ऊर्जावान फुल बैक है और उनमें मजबूत डिफेंडर होने के सभी लक्षण मौजूद है। एटलेटिको मैड्रिड के 24 वर्षीय खिलाड़ी मोलिना को अपने आक्रामक रवैये के लिए भी जाना जाता है।

एंजो फर्नांडीज : फर्नांडीज ने टूर्नामेंट की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की थी लेकिन अर्जेंटीना के मैक्सिको पर जीत में गोल करने के बाद वह टीम के मुख्य खिलाड़ी बन गए। वह अर्जेंटीना की मध्य पंक्ति के प्रमुख खिलाड़ी हैं।

काइलियन एमबापे : अर्जेंटीना के लिए एमबापे सबसे बड़े खतरनाक खिलाड़ी हैं जो अपनी तेजी और गोल करने में महारत के लिए जाने जाते हैं। पेरिस सेंट जर्मेन की तरफ से खेलने वाला यह 23 वर्षीय स्ट्राइकर विश्व कप में अभी तक मेस्सी के समान पांच गोल दाग चुका है। अर्जेंटीना के खिलाफ जीत दर्ज करने पर वह महानतम खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे।

एंटोनियो ग्रीजमैन : इकतीस वर्षीय ग्रीजमैन इस विश्वकप में फ्रांस के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हुए हैं। एटलेटिको मैड्रिड के इस स्ट्राइकर ने अपने कौशल में रक्षात्मक गुण भी जोड़े हैं। फाइनल में मेस्सी के साथ उनका मुकाबला देखने लायक होगा।

ह्यूगो लोरिस : टोटेनहैम की तरफ से खेलने वाले 35 वर्षीय ह्यूगो लोरिस पहले ऐसे कप्तान बनने की राह पर हैं जिन्होंने दो विश्वकप जीते। वह मितभाषी हैं लेकिन अपने काम को अच्छी तरह से अंजाम देते हैं। फ्रांस की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम पर है।

राफेल वरान : फ्रांस की रक्षापंक्ति की मजबूत कड़ी हैं 29 वर्षीय राफेल वरान। वह अपने करियर में चोटों से जूझते रहे हैं लेकिन अब अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। रियाल मैड्रिड को चार बार चैंपियंस लीग का खिताब दिलाने में उनकी भूमिका अहम रही है।

ऑरेलियन टचौमेनी: टचौमेनी पिछले चार साल से पाल पोग्बा की जगह मध्य पंक्ति में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ गोल करके पोग्बा जैसे करारे शॉट जमाने की अपनी काबिलियत का अच्छा नमूना पेश किया था। अर्जेंटीना को मध्य पंक्ति में उनसे पार पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ेगी।

भारत ने तीसरा दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप जीता

बेंगलुरु, 17 दिसंबर। आशाओं और उत्साह से भरी भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने आज तीसरे दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में बंगलादेश को 120 रन से हराकर यह खिताब जीतने की हैट्रिक पूरी कर ली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सुनील रमेश (136 नाबाद) और अजय कुमार रेड्डी (100) के शतकों की बदौलत 277 रन बनाये। इसके जवाब में बंगलादेश 20 ओवर में 157 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजे गये सुनील ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरा शतक जड़ते हुए 63 गेंदों पर 24 चौकों और एक छक्के की मदद से 136 रन बनाये, जबकि कप्तान अजय ने 50 गेंदों पर 18 चौकों की बदौलत 100 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिये सलामी बल्लेबाज सलमान ने 66 गेंदों पर 77 रन बनाये, हालांकि उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। भारत ने तीसरी बार दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप जीता है, जबकि इससे पहले टीम 2012 और 2017 में भी यह खिताब जीत चुकी है।

ज़ाकिर का शतक पर अक्षर के करिश्मे से भारत जीत से चार विकेट दूर

चटगांव, 17 दिसंबर। युवा सलामी बल्लेबाज ज़ाकिर हसन (100) के शानदार शतक से बंगलादेश ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को 272 रन बना लिये, हालांकि छह विकेट गंवाने के कारण उस पर हार का खतरा मंडरा रहा है। बंगलादेश को अब भी जीत के लिये 241 रन चाहिये, जबकि भारत विजय से सिर्फ चार विकेट दूर है।

बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज ज़ाकिर और नजमुल हसन शान्तो ने चौथे दिन की शुरुआत 42 रन के स्कोर से करते हुए 124 रन की शतकीय साझेदारी की।

बंगलादेश ने पहले सत्र में कोई विकेट नहीं गंवाया, हालांकि लंच के फौरन बाद उमेश यादव ने शान्तो को 67 रन पर आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। शान्तो ने 156 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके लगाये।

पहली सफलता मिलने के बाद भारत ने बड़ी साझेदारी नहीं पनपने दी। अक्षर पटेल ने ज़ाकिर हसन को पांच रन पर बोल्ड किया, जबकि कुलदीप यादव ने लिटन दास (19) को फिरकी में फंसाकर उमेश के हाथों कैच आउट करवाया।

दूसरे छोर से ज़ाकिर ने अच्छे शॉट खेलना जारी रखा और अपने पदार्पण टेस्ट में सैकड़ा पूरा किया। ज़ाकिर ने 224 गेंदों पर 12 चौके और एक छक्का लगाकर 100 रन बनाये, हालांकि शतक पूरा करते ही वह

रविचंद्रन अश्विन का शिकार हो गये।

अक्षर पटेल ने इसके बाद मुश्फिकुर रहीम (23) और नूरुल हसन (तीन) को आउट किया। दिन का खेल खत्म होने तक शाकिब अल हसन ने 40 जबकि मेहदी हसन मिराज़ ने नौ रन बना लिये हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में अजेय बढ़त हासिल की

मुंबई, 17 दिसंबर (वार्ता) कप्तान हरमनप्रीत कौर (46) और ऋचा घोष (39 नाबाद) की विस्फोटक पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को चौथे महिला टी20 में भारत को आठ रन से हराकर पांच मैचों की शृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

ऑस्ट्रेलिया ने एलिसे पेरी (72 नाबाद) के विस्फोटक अर्द्धशतक की बदौलत भारत के सामने 189 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में भारत 181 रन ही बना सका।

पेरी ने 42 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों की बदौलत 72 रन बनाये। इसके अलावा एशले गार्डनर ने 42 रन जबकि ठोस हैरिस ने 27 रन का योगदान देकर ऑस्ट्रेलिया को 188 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

भारत के तीन विकेट 49 रन पर गिरने के बाद हरमनप्रीत ने पारी को संभाला और देविका वैद्या के साथ 72 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत भारत को जीत की ओर ले जा रही थीं लेकिन अलाना किंग ने उन्हें 15वें ओवर में आउट करके भारत को मुश्किल में डाल दिया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं ऋचा ने 19 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के लगाकर ताबड़तोड़ 40 रन बनाये लेकिन भारत को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकीं।

भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज शुरुआत की लेकिन पावरप्ले में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये।

बाबर, सलमान के अर्द्धशतक, पाकिस्तान ने बनाये 304

कराची, 17 दिसंबर। इंग्लैंड ने जैक लीच (140/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट के पहले दिन शनिवार को 304 रन पर ऑलआउट कर दिया। दिन का खेल खत्म होने से पहले इंग्लैंड ने एक विकेट के नुकसान पर सात रन बना लिये।

पाकिस्तान के लिये कप्तान बाबर आज़म (78) और आगा सलमान (56) ने अर्द्धशतक जमाये। बाबर ने अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे अज़हर अली (45) के साथ तीसरे विकेट के लिये 71 रन की साझेदारी की, जबकि सऊद शकील (23) के साथ 45 रन जोड़े। बाबर 123 गेंदों पर नौ चौकों के साथ 78 रन बनाकर अच्छी लय में दिख रहे थे लेकिन हैरी ब्रूक ने उन्हें रनआउट कर दिया। पाकिस्तान के छह विकेट 219 रन पर गिरने के बाद सलमान ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ साझेदारियां बुनते हुए टीम को 304 रन के स्कोर तक पहुंचाया। सलमान ने 93 गेंदों पर छह चौकों के साथ 56 रन बनाये। इंग्लैंड के लिये जैक लीच ने चार विकेट लिये। इंग्लैंड के लिये पदार्पण कर रहे रेहान अहमद ने दो विकेट लिये, जबकि जो रूट, ओली रॉबिनसन और मार्क वुड को एक-एक विकेट हासिल हुआ। पहले दिन का खेल खत्म होने से पूर्व अबरार अहमद ने ज़ैक क्रॉली को शून्य रन पर पगबाधा आउट कर दिया, जबकि बेन डकेट और ओली पोप विकेट पर मौजूद हैं।